SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

प्रतिकूल परिस्थितियों में मानसिक संतुलन व व्यक्तित्व का भावात्मक पक्ष

प्रवेश कुमार, व्याख्याता, सेठ जी. बी. पोदार टी. टी. कॉलेज, नवलगढ़ Email. Id: kumarpraveshs511@gmail.com Mob. No. : 9414668697

सारांश

मनुष्य की भावनात्मक बुद्धि को विद्वानों ने गैर बुद्धि कारक माना है जो कि व्यक्ति की संज्ञानात्मक क्षमता, बौद्धिक क्षमता, आनुवंशिकता के कारको का वातावरणीय परिस्थितियों के साथ नियोजन संघर्ष व अन्तक्रिया के परिणाम स्वरूप निर्मित होती है। जो कि मनुष्य में आदतों का निर्माण करती है। यह आदते उसे विभिन्न परिस्थितियों से अनुकूलन स्थापित करने को प्रेरित करती है। किसी भी अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थिति में मनुष्य किस प्रकार का व्यवहार करेगा यह उसकी भावनात्मक क्षमता पर निर्भर करता है। भावनात्मक क्षमता मनुष्य में निहीत निरन्तर गतिमान एवं परिवर्तनशील क्षमता है जो कि मनुष्य की नवीन परिस्थितियों में की गयी प्रतिक्रियाओं के अनुभव से प्राप्त करता है। अतः मनुष्य आत्मविश्लेषण, आत्म मंथन एवं आत्म विवेचना तथा कठिनाई के प्रति पूर्व में किये गये अपने व्यवहारों का सुक्ष्म निरक्षण करके स्वयं के द्वारा अथवा मनोविश्लेषको के सहयोग से अपने भावनात्मक बौद्धिक स्तर को सुधार भी सकता है तथा उसका अनुप्रयोग प्रतिकूल परिस्थिति में अनुकूलन प्रस्तुत कर सकता है।

मुख्य सम्प्रत्य – प्रतिकूल परिस्थिति, मानसिक संतुलन, व्यक्तित्व, संवेग, भावनात्मक बुद्धि

iajesm
Quality Of Work... Never Ended...